भारत की नदियों का उत्सव

आख्या / रिपोर्ट

स्वामी विवेकानन्द राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

लोहाघाट, चम्पावत, उत्तराखण्ड

स्वामी विवेकानन्द राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लोहाघाट में आज दिनांक 17 / 12 / 2021 को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत जल शक्ति मन्त्रालय भारत सरकार द्वारा भारत की नदियों का उत्सव के अन्तर्गत महाविद्यालय परिसर में श्रमदान एवं शपथ कार्यक्रम का आयोजन स**्वच्छ लोहावती स्वच्छ लोहाघाट** विषयवस्तु को लेकर किया गया। जिसमें महाविद्यालय के विज्ञानसंकाय बीएड विभाग कामर्स संकाय प्रशासनिक भवन व पीजी ब्लाक की सफाई एनएसएस , एनसीसी व रोवर रेन्जर्स के कैडेट्स व नमामि गंगे के सदस्यों द्वारा की गई । श्रमदान के पश्चात् महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. संगीता गुप्ता ने इस अवसर पर एक शपथ दिलाई जिसमें नदियों नालों को पालीथीन से मुक्त करना, नदियों में कूड़ाकरकट नहीं डालना, नदियों में कपडे नहीं धोना और स्थानीय नदियों को साफ रखने की शपथ दिलाई गयी।

इसी क्रम में 18/12/2021 को ग्राम चौड़ी में स्वच्छता अभियान – ''स्वच्छ गांव सुन्दर भारत'' को लेकर किया गया। जिसमें ग्राम चौड़ी मेंएनएसएस , एनसीसी व रोवर रेन्जर्स के कैडेट्स व नमामि गंगे के सदस्यों द्वारा जन जागरूकता एवं नुक्कड़ नाटक के द्वारा अपने आसपास गन्दगी न फैलाने तथा पालीथीन से होने वाले नुकसान के बारे में बताया व नाटक के माध्यम से दिखाया गया।

इस अवसर पर ग्राम प्रधान जितेन्द्र राय ने भी महाविद्यालय के स्वच्छता के लिए किये गये कार्यों की प्रशंसा की तथा हर सम्भव मदद देने का आश्वासन दिया। पूरे लोहाघाट को रायनगर पम्पहाउस से पीने योग्य पानी दिया जाता है, इसलिए स्वयंसेवकों के द्वारा पम्प हाउस के आस पास व लोहावती के किनारे के क्षेत्रों को पालीथीन मुक्त व साफ किया गया।

दिनांक 20/12/2021 को महाविद्यालय में पोस्टर प्रतियोगिता व स्थानीय शहीदों के बारे में (कालूसिंहमहरा, बेनीप्रसाद पुनेठा, हर्षदेव ओली) के विषय में जानकारी दी गयी और इनके जीवन के विषय में विस्तृत प्रकाश डाला गया। लेफ्टिनेण्ट डॉ कमलेश शक्टा ने विद्यार्थियों को इस विषय में अवगत कराते हुए वीरों के पदचिन्हों पर चलने का आह्वान किया।

पोस्टर प्रतियोगिता को शीर्षक ''मेरी भूमि मेरे वृक्ष' था, जिसमें निम्नलिखित छात्र छात्राओं ने स्थान प्राप्त किये–

प्राथमिक स्तर – नैनिका सिंह

माध्यमिक स्तर – प्रथम स्थान कु0 माया चौबे कक्षा 12 जीजीआईसी लोहाघाट

द्वितीय स्थान कु0 दीक्षा राय कक्षा 12 जीजीआईसी लोहाघाट

तृतीय स्थान कु0 आद्या कक्षा 09 गुरुकुलम् एकेडमी लोहाघाट

महाविद्यालय स्तर प्रथम स्थान– तरुण सिंह बोहरा बीए प्रथम सेम0

प्रवीण जोशी बीएससी प्रथम सेम0

लक्ष्मण सिंह रावत बीए प्रथम सेमे0

दिनांक 21/12/2021 को **आओ नदियों का उत्सव मनायें** के अन्तर्गत महाविद्यालय प्रांगण में एकल नृत्य बीए प्रथम वर्ष के छात्र अनूप 'पंछी' ने स्थानीय वीरों व जांबाज सिपाहियों के लिए नृत्य प्रस्तुत किया। जो हमारे स्थानीय वीरों विशेषतः कालू सिंह माहरा, हर्षदेव ओली एव स्थानीय योद्धा जो हमारे देश की रक्षा करते हैं, को समर्पित नृत्य करते हुए प्रस्तुत किया।

तत्पश्चात् भूगोल विभाग में शोधरत छात्रा मनु सिंह ने गंगा को समर्पित एक नृत्य प्रस्तुत किया, मनु सिंह ने गंगा अवतरण को नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया। जो भगीरथ के तप को केन्द्रित करते हुए किया गया।

इसी क्रम में नमामि गंगे के छात्र–छात्राओं के द्वारा सामुहिक नृत्य प्रस्तुत किया, गंगा माता को समर्पित इसी गीत में छात्राओं के सुन्दर अभिनय ने सभी उपस्थित दर्शकों को मन्त्रमुग्ध कर दिया।

बीए तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सन्ध्या चतुर्वेदी ने एकल नृत्य प्रस्तुत किया। देशभक्ति नृत्य, जिसके बोल 'ऐ वतन मेरे वतन' रहा।

प्रभारी प्राचार्य डॉ अनीता सिंह ने सभी प्रतिभागियों का उत्साह वर्धन किया तथा शुभकामनायें प्रदान की।

दिनांक 22/12/2021 को छात्र–छात्राओं द्वारा 'स्वच्छ लोहाघाट सुन्दर लोहाघाट' विषयक प्रभातफेरी निकाली गयी। व इसी क्रम में छात्र–छात्राओं को डॉ अर्चना त्रिपाठी ने योग व उससे होने वाले लाभ के विषय में विस्तृत जानकारी दी। प्रभारी प्राचार्य डॉ अनीता सिंह ने भी वर्तमान जीवन शैली में जी रहे प्रत्येक व्यक्ति के लिए योग के महत्त्व को सर्वोपरि बताया।

दिनांक 23/12/2021 को पर्यावरण संरक्षण पर व्याख्यान व पुरस्कार वितरण किया गया, व्याख्यान का विषय ''**पेड़ लगाओ धरा को धानी चुनर पहनाओ**'' था

महाविद्यालय के सभागार में सम्पन्न हुए इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में नैनीताल जनपद के प्रसिद्ध युवा पर्यावरणविद् श्री चन्दन सिंह नयाल उपस्थित रहे।

महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो.संगीता गुप्ता ने मंचासीन सभी अतिथियों का स्वागत किया एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी छात्र छात्राओं को आगे आने हेतु प्रेरित किया।

पर्यावरण एक ज्वलन्त समस्या के रूप में हमारे सम्मुख है, उसमें भी प्लास्टिक का अधिकाधिक इस्तेमाल पर्यावरण को और भी अधिक दूषित कर रहा है।

पेशे से अभियन्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता श्री राजमहर ने जनपद चम्पावत में उनके शिवा संगठन के कार्यों के बारे में जानकारी दी और बताया कि स्वच्छता के लिए प्रत्येक व्यक्ति को सजग होने की आवश्यकता है। उन्होंने मेलों, उत्सवों एवं अन्यान्य कार्यक्रमों के बाद फैली गन्दगी की ओर इशारा किया, जिससे मनुष्यों के साथ साथ जीव जन्तुओं के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है।

वन विभाग से पधारे वन बीट अधिकारी श्री पीयूष बिष्ट जी ने वनों के महत्त्व के बारे में जानकारी दी और प्रतिवर्ष जंगल की आग से होने वाले नुकसान का भी उल्लेख किया। जंगलों की भयावह आग से प्रतिवर्ष लाखों जीव जन्तु मारे जा रहे हैं तथा दुर्लभ प्रजातियों का अस्तित्व भी संकट में है। अत एव जंगल को आग से बचाने के प्रयास किये जाने चाहिए।

मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित श्री चन्दन सिंह नयाल ने अपने अनुभवों को साझा किया और उन्होंने बताया कि स्वयं के प्रयासों से अभी तक चालीस हजार से अधिक पौधों का रोपण किया जा चुका है। साथ ही उन्होंने बताया कि वन भूमि में व्यक्तिगत एवं सामुहिक भागीदारी से अनेक चाल–खालों का निर्माण किया जा चुका है। चाल–खाल से कई सूखे जलस्रोत पुनः जीवित हो उठे हैं। वर्षा के जल को रोकने की यह प्राचीन पद्धति है। इससे वनस्पति में भी वृद्धि होती है तथा वातावरण में भी अपेक्षाकृत परिवर्तन होता है।

प्लास्टिक के बढ़ते प्रयोग पर श्री नयाल जी ने गहरी चिन्ता व्यक्त की, तथा लोगों से प्लास्टिक से दूरी बनाने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक के प्रचलन से भूमि की उर्वरा शक्ति में भी कमी हो रही है, और परम्परागत जलस्रोत और नदियां बुरी तरह मैली हो रही हैं। अतः सुनीति के कारण ही इस समस्या से निजात पाया जा सकता है। इस अवसर पर उन्होंने वैज्ञानिकों से भी प्लास्टिक के विकल्प पर शोध करने की वकालत की।

जलवायु परिवर्तन बहुत तेजी से हो रहा है। ग्लेशियर टूट रहे हैं, तथा समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, यह आने वाली पीढ़ी के लिए बड़े खतरे के रूप में है। समय रहते प्रकृति सरंक्षण के प्रति सभी की जवाबदेही सुनिश्चित करने का अवसर है।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के गृहविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष, डॉ विद्याकुमारी ने कपड़े से निर्मित थैलों का प्रदर्शन किया, उन्होंने कहा कि घर में ऐसे कपड़े जिन्हें अनुपयुक्त समझ कर फैंक दिया जाता है, उनका सही उपयोग कर आकर्षक थैलों का निर्माण प्लास्टिक की आदत में बदलाव करने में सहायक हो सकता है।

कार्यक्रम के अन्त में एनएसएस की प्रभारी डॉ सुमन पाण्डेय द्वारा महाविद्यालय के एनसीसी, एनएसएस एवं रोवर रेन्जर्स कैडेट्स द्वारा समय समय पर स्वच्छता अभियान के कार्यों का परिचय मंचासीन अतिथियों को कराया गया।

व्याख्यामाला का संचालन डॉ कमलेश शक्टा एवं डॉ अर्चना त्रिपाठी द्वारा किया गया। डॉ अर्चना त्रिपाठी द्वारा पुरस्कृत एवं प्रतिभागी विद्यार्थियों की प्रशंसा की गयी। कार्यक्रम में एकसौ पचास से अधिक छात्र–छात्राओं, एनसीसी एनएसएस एवं रोवर रेन्जर्स कैडेट्स द्वारा प्रतिभाग किया गया।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु नमामि गंगे के सम्मानित सदस्य क्रमशः डॉ कमलेश शक्टा(नोडल,आजादी का अमृत महोत्सव) डॉ अर्चना त्रिपाठी, डॉ विद्याकुमारी, तथा डॉ सुमन पाण्डेय (नोडल, नमामि गंगे) सहित महाविद्यालय के अनेक प्राध्यापक उपस्थित रहे।

डॉ सुमन पाण्डेय

नोडल अधिकारी

नमामि गंगे

नमामि गंगे सदस्य

डॉ अर्चना त्रिपाठी

डॉ कमलेश शक्टा

डॉ विद्याकुमारी